



C A Q

NVP 1999 Hindi Edition

Prepared by:

S. D. Kapoor, Ph.D. and R. N. Singh, Ph.D.

क्या करना है :

कुछ परीक्षाओं में सोचना होता है। लेकिन इस परीक्षा में केवल यह देखना है कि चीजों के बारे में आप कैसा महसूस करते हैं। इन प्रश्नों का कोई सही या गलत उत्तर नहीं है क्योंकि लोगों का अपना-अपना अनुभव होता है। आप के लिए जो सत्य हो वही उत्तर में बताना है।

उत्तर देने के लिए आप को अलग से उत्तर-पत्र मिला है। उस पर हर प्रश्न के लिए नम्बर दिया है और नम्बर के बगल में तीन छोटे-छोटे खाने बने हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए एक उपयुक्त खाने में गुणा का चिन्ह (x) लगाना है। अगर आप 'a' उत्तर को चुनते हैं तो बायें वाले खाने में, 'b' उत्तर को चुनते हैं तो बीच वाले खाने, और 'c' उत्तर को चुनते हैं तो दायें वाले खाने में निशान लगाना है। 'a' उत्तर का तात्पर्य हाँ, सत्य, बहुत ऐसा ही, आदि से है। विपरीत उत्तर 'c' नहीं, असत्य, कभी-नहीं, आदि हैं। 'b' उत्तर बीच वाले हैं। जिनका अधिक उपयोग आपको नहीं करना है।

वास्तविक परीक्षा प्रारम्भ करने के पहले, अभ्यास के लिए नीचे दिये गये उदाहरणों के करिए। उत्तर-पत्र के दायीं ओर, जहाँ Start Here छपा है, देखिये। तीन प्रश्नों में से प्रत्येक प्रश्न के लिए आप जिस उत्तर को चुनें उससे सम्बन्धित खाने में निशान बनाकर अपना उत्तर दीजिए।

उदाहरण

1— मैं सामूहिक खेलों को देखना पसन्द करता हूँ।

a. हाँ (बहुधा),

b. कभी-कभी,

c. नहीं (कभी-नहीं)।

2— लोग कहते हैं कि मैं उतावला हूँ।

a. सत्य,

b. अनिश्चित,

c. असत्य।

3— मैं उन मित्रों को बहुत अच्छा मानता हूँ, जो

a. गम्भीर हों,

b. बीच के,

c. हैंसमुख हों।

भीतर इसी तरह के कई प्रश्न हैं। उत्तर देते समय इस बात का ध्यान रखें कि प्रश्नावली के क्रमांक और उत्तर-पत्र के क्रमांक समान हो।

जब उत्तर देना प्रारम्भ करने को कहा जाय तो निम्नांकित चार बातों पर ध्यान रखें :

- 1— अपने बारे में जो सत्य हो वही उत्तर दें। आप जो वास्तव में महसूस करते हैं उसे ही बताना अधिक उपयोगी होता है।
- 2— आपको जितने समय की आवश्यकता हो ले सकते हैं। लेकिन कार्य जल्दी-जल्दी करिए। किसी प्रश्न पर अधिक समय न लगाकर मन में आये प्रथम उत्तर को तुरन्त बताना ठीक होता है।
- 3— प्रत्येक प्रश्न का कोई न कोई उत्तर देना है। किसी को छोड़ना नहीं है।
- 4— आप को यथा सम्भव हर बार 'a' या 'c' उत्तर चुनना है। जब 'a' या 'c' में से कोई उत्तर आपको जरा भी न जँच, तो केवल इस बाध्यता की स्थिति में ही 'b' उत्तर, अनिश्चित या बीच में, पर निशान बनावें।

जब तक कहा न जाय पत्रा मत उलटिये।

Copyright © 1980, 1999 by The Psycho-Centre, G-19, H-Block, Saket, New Delhi - 110 017 India, and also, 1970 by The Institute for Personality & Ability Testing, Inc. P.O. Box 1188, Champaign, Illinois, 61824, U.S.A. All rights reserved. International Copyright in all countries under the Berne Union, Bilateral, and Universal Copyright Conventions. Not be translated or reproduced in whole or part, stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, photocopying, mechanical, electronic, recording, or otherwise, without prior permission in writing from the publisher. Translated adapted and published by permission into Hindi by The Psycho-Centre under sole and exclusive license from IPAT, U.S.A.

- 1- जब लोग बेमतलब की बात करते हैं तो मुझे लगता है कि इन्हें मुझे ठीक करना है।
 (a) सामान्यतया, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 2- अपने व्यवहार को मैं अपने ईर्ष्याभाव से प्रभावित होने देता हूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 3- मैं दूसरे अधिकांश लोगों के साथ काम करने के भाव को पसन्द करता हूँ।
 (a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 4- किसी अवसर पर मैं योही अपने को वास्तविक विवाद में पड़ते हुए या किसी से लड़ाई मोले लेते हुये महसूस करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 5- मुझे लोग एक ऐसे विश्वस्त और दृढ़ व्यक्ति के रूप में जानते हैं जो छोटी असफलताओं से परेशान नहीं होता।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 6- अगर शांति और नम्रता से काम नहीं बनता तो मैं कटु और कठोर बन सकता हूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) बहुत ही कम।
- 7- मैं छोटी-छोटी बातों, जैसे शहर की गलियों या दुकानों का नाम याद रखना, को ओर अधिक ध्यान देता हुआ प्रतीत नहीं होता।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 8- आये दिन के विषयों पर समाचार पत्रों में प्रकाशित विवादों में मेरी कोई रुचि नहीं है।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 9- स्कूल में (या अभी भी) मैं पसन्द करता था।
 (a) संगीत, (b) अनिश्चित, (c) दस्तकारी और कारीगरी।
- 10- बड़े समूह के सामने बोलने में हमें कोई कठिनाई नहीं होती।
 (a) सत्य, मैं कभी इससे परेशान नहीं होता, (b) कभी-कभी इससे परेशानी होती है, (c) मुझे यह कठिन लगता है।
- 11- मेरे विचार से अपनी पसन्द के अनुसार कार्य करने की स्वतंत्रता नियम का आदर करने और अच्छी चाल चलन की अपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण है।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 12- मुझे तमाशा देखना और सामाजिक उत्सवों में जाना अच्छा लगता है।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) बहुत ही कम।
- 13- प्रतिक्षा करते हुये लोगों के सामने किसी काम को जल्दी-जल्दी करने में मुझे परेशानी महसूस होती है।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) प्रायः कभी नहीं।
- 14- पूर्व नियोजित और प्रत्याशित कार्य करने का अवसर आने पर उसे करने में हमें कोई परेशानी नहीं महसूस होती है।
 (a) बहुत ऐसा, (b) अधिक नहीं, (c) प्रायः कभी नहीं।
- 15- भरसक मैं होना चाहूँगा।
 (a) हाईस्कूल का अध्यापक, (b) अनिश्चित, (c) फारेस्टर (वन विभाग का एक कर्मचारी)
 (उत्तर पत्र पर पहले स्तम्भ का अन्त)
- 16- छोटी विफलताओं पर मुझे जितना चाहिए उससे अधिक चिढ़ पैदा होती है।
 (a) हाँ, बहुधा, (b) शायद, कभी-कभी, (c) नहीं, प्रायः कभी नहीं।
- 17- ऐसा अवसर आ ही जाता है जब नियमों पर बिना ध्यान दिये मैं जो चाहता हूँ करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 18- किसी चीज की डिजाइन बनाने में मैं भरसक चाहता हूँ;
 (a) अकेले काम करना, (b) अनिश्चित, (c) कमेटी के साथ।
- 19- युवा अवस्था से जब मेरा कोई विचार माता-पिता के विचार से भिन्न होता था तो मैं अक्सर
 (a) उनके विचार को मान लेता था, (b) बीच में, (c) अपने ही विचार को मानता था।
- 20- अगर मैं अपने अधिकारी द्वारा बुलाया जाता हूँ तो
 (a) मुझे डर लगता है कि मैंने कुछ (b) बीच में, (c) इसे में जो चाहता हूँ उसे सूझने का अवसर बना लेता हूँ।
 गलत किया है,

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 21- आत्मनिर्भर और सफल होने की शिक्षा देने के बजाय प्यार से लड़के का पालन पोषण अधिक महत्वपूर्ण है।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 22- मैं उस मित्र को पसन्द करता हूँ जो;
 (a) व्यावहारिक और कुशल हो, (b) बीच में, (c) जीवन के बारे में अपने दृष्टिकोण पर गम्भीरता से विचार करता हो।
- 23- मेरे परिवार का कोई व्यक्ति आसानी से क्रोधित नहीं होता।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 24- पढ़ने में मुझे आनन्द मिलता है :
 (a) जीवन की वास्तविक कहानियाँ, (b) अनिश्चित, (c) हल्की और कल्पनात्मक चीजें।
- 25- किसी सामाजिक समूह में मैं जब एकाएक लोगों के ध्यान का केन्द्र बन जाता हूँ तो घबड़ा जाता हूँ।
 (a) हाँ, बहुत अधिक, (b) केवल थोड़ा, (c) नहीं।
- 26- मैं ऐसा कड़ा आदमी हूँ जो यह देखना चाहता है कि हर काम सही ढंग से हो।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 27- जन सभाओं में मैं तभी जाता हूँ जब जाना ही पड़ता है, अन्यथा दूर ही रहना चाहता हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 28- कई दृष्टियों से अधिकांश लोगों की अपेक्षा मैं अपने को सचमुच अच्छा पाता हूँ।
 (a) हाँ, कई, (b) बहुत ही कम, (c) शायद ही किसी।
- 29- गरज और चमक से शायद ही कभी मुझे घबराहट होती है।
 (a) सत्य, बिल्कुल नहीं, (b) बीच में, (c) असत्य, बहुत होती है।
- 30- अगर समान आमदनी होती हो तो मैं बनना पसन्द करूँगा :
 (a) जलयान या वायुयान संचालक, (b) अनिश्चित, (c) वकील।
- 31- लोगों के प्रति मैं बहुत ही कम उतावला और क्रोधित होता हूँ।
 (a) सत्य, बहुधा नहीं होता, (b) बीच में, (c) असत्य, मैं जल्द क्रोधित हो जाता हूँ।
- 32- किसी कार्य या योजना में जितनी देर तक आवश्यक हो मैं ध्यान लगा लेता हूँ।
 (a) हाँ, लगभग हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, प्रायः नहीं।
- 33- जब मुझे लोग अपने से कार्य के लिए छोड़ देते हैं तो चाहे भले ही मैं सही ढंग से कार्य कर रहा होऊँ, मुझे परेशानी होती है।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, प्रायः नहीं।
- 34- राज्य के बड़े उत्सवों की तड़क-भड़क बनाये रखना चाहिए।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 35- अगर परिचित लोग मेरे साथ बुरा व्यवहार करते हैं और अपनी नापसन्द प्रकट करते हैं तो :
 (a) मैं दुखी हो जाता हूँ, (b) बीच में, (c) मुझे जरा भी दुख नहीं होता।
- 36- अपनी परेशानियों के बारे में ही अधिक बात करने वालों की अपेक्षा दूसरों से अधिकाधिक लाभ उठाने की फिराक में रहने वाले आक्रमणशील व्यक्तियों से मैं अधिक नाराज होता हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 37- जब मैं बात करता हूँ तो शायद ही कभी-कभी इधर-उधर टहलता हूँ या अपने विचारों को प्रकट करने के लिए बाहों का उपयोग करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 38- जो लोग अपने को अच्छा समझते हैं या बनते हैं उनसे मुझे चिढ़ होती है।
 (a) हाँ, सामान्यतया, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, शायद ही कभी।
- 39- अगर मुझे ठीक प्रशिक्षण मिले तो मैं होना चाहूँगा :
 (a) एक मैनेजर जो कम्पनी की कुशलता बढ़ा देता है, (b) अनिश्चित, (c) एक परामर्श दाता या नवयुवकों के बीच कार्य करने वाला।
- 40- किसी बड़े जलसे में, जैसे पार्टी, नृत्य, जनसभा, मैं सक्रिय रहता हूँ।
 (a) हाँ, हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, शायद ही कभी।

- 41- निर्णय लेने में मैं अधिक मूल्य देता हूँ :
 (a) क्या सही और गलत है, (b) बीच में, (c) क्या व्यवहारिक और करने योग्य है।
- 42- अत्यधिक प्रसन्नचित रहने और हमेशा सफलता की आशा रखने की अपेक्षा सावधान रहना और ऊँची प्रत्याशा न लगाना अच्छा होता है।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 43- मैं वैसा व्यक्ति होना चाहता हूँ जो दूसरों को बताते हैं कि क्या करना चाहिए।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 44- अगर प्लेट जरा भी गन्दी होती है तो मुझे अत्यधिक धिन महसूस होती है।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 45- अगर मुझे रसोईघर सम्बन्धी एक नयी मशीन के लिए विचार आये तो मैं पसन्द करूँगा :
 (a) प्रयोगशाला में उस पर काम करना, (b) अनिश्चित, (c) लोगों में उसे बेचना।
 (उत्तर पत्र पर तीसरे स्तम्भ का अन्त)
- 46- खेल खेलते समय अगर लोग चिल्ला कर मुझे राय देते हैं तो मुझे बुरा नहीं लगता।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य, मुझे अवश्य बुरा लगता है।
- 47- किसी विवाद में मैं :
 (a) जाँच लेता हूँ कि जो मैं कह रहा हूँ वह ठीक है। (b) बीच में, (c) जो कहने का मन करता है कह देता हूँ।
- 48- मैं अधिक लोगों के साथ रहना पसन्द करता हूँ चाहें भले ही सामूहिक क्रियाओं में मैं अधिक भागीदार न रहूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 49- तार्किक रूप में जब पुराने रीति रिवाज समयानुकूल नहीं रह जाते तो हम लोगों को उन्हें छोड़ देना चाहिए।
 (a) सहमत, (b) अनिश्चित, (c) असहमत।
- 50- कभी-कभी मेरे मन में दुखदायी और परेशानी उत्पन्न करने वाले विचार आया करते हैं।
 (a) सत्य, अधिक, (b) अधिक नहीं, (c) बिल्कुल नहीं।
- 51- कुछ जानवरों से हमें घबराहट होती है।
 (a) हाँ, बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, कभी नहीं।
- 52- व्यवहारिक विषय के बारे में निर्णय लेने के पहले उससे सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विस्तार से विचार करने में कार्य को विलम्बित नहीं करना चाहिए।
 (a) सत्य, हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) नियमतः नहीं।
- 53- मैं उन लोगों से होशियार रहता हूँ जो आवश्यकता से अधिक मित्रता और परिचय दिखाते हैं।
 (a) हाँ, हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं।
- 54- अगर मुझे समाचार पत्र लेखन में कार्य करना हो तो मैं अपेक्षाकृत पसन्द करूँगा :
 (a) राजनीति और खेलकूद, (b) अनिश्चित, (c) सामाजिक समाचार और फिल्म समीक्षा।
- 55- जब मैं लोगों से भरे कमरे में आता हूँ तो मुझे मंच से बोलने में भय लगता है।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 56- अपने कार्य में मैं
 (a) पहले से योजना बनाने का प्रयास करता हूँ, (b) बीच में, (c) यह आशा रखता हूँ कि समस्या स्वयं अपना समाधान लायेगी।
- 57- युद्ध और साहसिक कार्यों की अपेक्षा मैं शान्त और सरल चीजों के बारे में पढ़ना पसन्द करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 58- धमकी से मैं कभी परेशान नहीं होता।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 59- मैं शायद ही कभी इतना उत्तेजित होता हूँ कि कोई ऐसी बात कह दूँ जिसके लिए खेद प्रकट करना पड़े।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं अक्सर ऐसा करता हूँ।

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 60— यह होना अधिक रुचिकर होगा :
- (a) एक कलाकार या मूर्तिकार, (b) अनिश्चित (c) एक सामाजिक क्लब का सिक्रेटरी।
(उत्तर पत्र पर चौथे स्तम्भ का अन्त)
- 61— लोग मेरे रास्ते में बाधक होकर मुझे निराश करते हैं।
- (a) हाँ, बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 62— वकायक मैं उन लोगों के बारे में घृणित बातें कह देता हूँ जिन्हें मैं सामान्यतया प्रेम करता हूँ।
- (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 63— दूसरे को सच या हस्तक्षेप के बिना मैं स्वयं अपनी योजना बनाना पसन्द करता हूँ।
- (a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 64— तर्क के आधार पर जल्द निर्णय लेने की अपेक्षा मैं धीरे-धीरे अपने अनुभव के आधार पर निर्णय लेना पसन्द करता हूँ।
- (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 65— अपने विचारों और भावों को लोगों से स्पष्ट कह देने में मुझे कभी खेद नहीं होता।
- (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 66— मैं कुछ भारी शारीरिक क्रिया करने की आवश्यकता महसूस करता हूँ।
- (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 67— समाचार पत्रों के लिए नाटक, सहगान, संगीत नाटक आदि लिखने में मुझे प्रसन्नता होगी।
- (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 68— अधिकांश लोगों की तरह मैं उत्तेजित ही होता हूँ या अपने संवेग को वाणी में प्रगट नहीं होने देता।
- (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 69— मैं अक्सर महसूस करता हूँ कि सब कुछ छोड़कर जिप्सी की तरह घूमूँ।
- (a) सत्य, (b) शायद, (c) असत्य।
- 70— काम करते समय जब कई लोग देखते रहते हैं तो बेचैनी महसूस होती है।
- (a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 71— मुझे पसन्द करने वाले लोग भी सोचते हैं कि मैं बहुत लपरवाह और अनियमित हूँ।
- (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 72— मैं वह पोशाक पहनना पसन्द करूँगा :
- (a) जो सबका ध्यान खींच सके, (b) बीच में, (c) जो साफ सुथरा और सादा हो।
- 73— किसी विवाद में मेरा मस्तिष्क अच्छी तरह से काम करता प्रतीत नहीं होता।
- (a) सत्य, मैं घबड़ा जाता हूँ, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं हमेशा शांत रहता हूँ।
- 74— मेरी मनःस्थिति में बहुत उतार चढ़ाव नहीं होता।
- (a) सत्य, नहीं होता, (b) बीच में, (c) असत्य, होता है।
- 75— विशेष छुट्टियों और जन्म दिनों के लिए मैं :
- (a) व्यक्तिगत उपहार देना पसन्द करता हूँ, (b) अनिश्चित, (c) उपहार खरीदने को एक जंजाल समझता हूँ।
- 76— शीशे पर कील रगड़ने की आवाज या दूसरी किरकिराहट वाली ध्वनियों से मुझे चिढ़ हो जाया करती है।
- (a) असहनीय, (b) कुछ-कुछ, (c) बिल्कुल नहीं।
- 77— जब मुझे व्याख्यान देना होता है तो मैं पसन्द करता हूँ :
- (a) मन में स्वतः उठने वाली बातों को कहना, (b) बीच में, (c) पहले ही सावधानीपूर्वक अपने विचारों को संगठित कर लेना।
- 78— जब मेरे परिवार के लोग पड़ोसी से असहमत होते हैं और यह दिखाते हैं कि हम लोगों को उनकी कोई परवाह नहीं तो कोई चिन्ता नहीं होती।
- (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 79— लोगों का विचार परिवर्तित करने के लिए तर्क और भीमांसा प्रायः पर्याप्त होते हैं।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 80— अगर मैं अपने गम्भीर उत्तरदायित्वों के बारे में अधिक सोचता हूँ तो हतोत्साहित हो जाता हूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 81— अपने आस-पास जानवरों—बिल्ली, कुत्ता, घोड़ा आदि को रखना मुझे अच्छे लगता है।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 82— मेरे परिवार के सदस्य छोटी-छोटी बातों पर जल्दी चिढ़ प्रगट कर देते हैं।
 (a) हाँ, अधिक बार, (b) अधिक नहीं, (c) शायद ही कभी।
- 83— कम पढ़े लिखे लोगों के साथ रह कर मैं कभी ऊबता या चिढ़ता नहीं हूँ।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 84— उपन्यास या नाटक से मैं उत्तेजित हो जाता हूँ।
 (a) हाँ, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 85— मैं अपने को बहुत ही सामाजिक और बहिर्गामी व्यक्ति मानता हूँ।
 (a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 86— यदि कोई व्यक्ति इतना चतुर हो कि छिपाकर नियमोलंघन कर सके ताकि दूसरे न जान पावें तो उसे कर लेना चाहिए।
 (a) अवश्य करना चाहिए, (b) विशेष कारण होने पर ही, (c) कभी नहीं करना चाहिए।
 करना चाहिए (d)
- 87— मैं अपनी शाम बिताना चाहूँगा।
 (a) एक मजेदार पार्टी में, (b) बीच में, (c) शांतिपूर्ण रोचक कार्य में।
- 88— अगर मुझे कभी अपने अधिकारी से असहमत होना पड़े तो सम्भवतः मैं :
 (a) उसे अपने तक सीमित रखूँगा, (b) अनिश्चित, (c) उसे साफ-साफ कह दूँगा।
- 89— अंधेरे घर में मैं अपने को डरने से कभी-कभी नहीं रोक पाता।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 90— अगर कोई मुझसे दान मांगने का कार्य करने के लिए कहता है तो मैं :
 (a) सामान्यतया स्वीकार कर लेता हूँ,
 (b) किसी-किसी अवसर पर स्वीकार करता हूँ,
 (c) कह देता हूँ कि अत्यधिक व्यस्त हूँ।
- 91— जब भी मैं चाहता हूँ चिन्ता और उत्तरदायित्व के बोझ से मन को खाली कर लेता हूँ।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 92— मैं सामाजिक कार्यों को सही ढंग से करने में विश्वास रखता हूँ और दूसरों को मेरा कार्य कैसा लगता है यह जानना मेरे लिए गौड़ है।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 93— लोगों द्वारा मुझे विचित्र या भिन्न कहा जाना मैं पसन्द नहीं करता।
 (a) सत्य, मैं नहीं करता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 94— आरामदेह सुविधाओं या लाभ की प्राप्ति के लिए अधिकांश लोग मूर्खतापूर्ण कारण देकर अपने को मूर्ख बनाते हैं।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 95— शायद ही कभी मुझे दुखद और परेशान करने वाले विचारों के कारण रात में जगे रहना पड़ता है।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य, अक्सर जगे रहना पड़ता है।
- 96— अपने सीने में हृदय की अस्पष्ट पीड़ा और तनाव पूर्ण पेशियों के कारण मुझे कभी कोई परेशानी नहीं होती।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मुझे पीड़ा होती है।
- 97— मैं सिनेमा में जीवन के वास्तविक और स्पष्ट प्रेमपूर्ण हृदय पसन्द करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 98— अगर लोगों को पकड़े जाने का भय न हो तो अधिकांश लोग यथाशक्ति अधिक से अधिक लेकर भाग जाने का प्रयास करेंगे।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 99— स्कूल में (या अभी भी) मुझे अधिक अच्छा लगता था :
- (a) गणित, (b) अनिश्चित, (c) साहित्य।
- 100— छोटे समूहों में दूसरे लोगों को ही अधिक बात करने देने और अपने पीछे बैठे रहने से मुझे संतोष होता है।
- (a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 101— जब मैं स्कूल में जाता था तो किसी बुरे व्यवहार के कारण किसी अध्यापक से कोई टकराव नहीं हुआ।
- (a) सत्य, कभी कोई टकराव नहीं हुआ, (b) बीच में, (c) असत्य, काफी परेशानी के अवसर आये।
- 102— कार या घोड़ों की रोमाँचकारी दौड़ देखने के बजाय मैं बागवानी या मछली मारने में समय बिताना पसन्द करूँगा।
- (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 103— जब मुझे लोगों से कहना पड़ता है कि मैं उनसे असहमत हूँ तो मैं शान्त रहता हूँ, घबड़ाता नहीं।
- (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 104— जब मैं शराब के नशे से बुरा व्यक्ति से मिलता हूँ तो मैं :
- (a) शांत और शिथिल रहता हूँ, (b) थोड़ा घबड़ाता हूँ, (c) बहुत घबड़ा जाता हूँ और किंकर्तव्य-विमूढ़ हो जाता हूँ।
- 105— केवल तमाशे के लिए मैंने कोई साहसिक कार्य नहीं किया है।
- (a) सत्य, कभी नहीं, (b) बीच में, (c) असत्य, मैंने किया है।
- (उत्तर पत्र पर सातवें स्तम्भ का अन्त)
- 106— जब किसी बात से मेरा क्रोध भड़क उठता है तो मैं फिर जल्दी ही उसे शांत कर लेता हूँ।
- (a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 107— मैंने अपने को ऐसा प्रशिक्षित किया कि लोगों के साथ बहुत सहनशील हो सकता हूँ।
- (a) हाँ, हमेशा (b) कभी-कभी, (c) नहीं, बहुत कम।
- 108— अपनी उपलब्धियों के लिए प्रशंसा पाने की अपेक्षा अपने ढंग से शान्तिपूर्वक जीवन का आनन्द लेना चाहूँगा।
- (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 109— रोचक विवाद चालू रखने के लिये मैं लोगों से नम्रता पूर्वक यह बताने में विश्वास करता हूँ कि उनके विचारों में क्या खामी है।
- (a) सामान्यतया, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 110— अगर मैं यह जानता हूँ कि किसी जानवर की चीड़ फाड़ की जा रही है (अच्छे कारण के लिए) तो इससे मुझे कोई घबराहट नहीं होती।
- (a) सत्य, इसे मैं सामान्य बोध की बात मानता हूँ, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मुझे उनके साथ आनन्द आता है।
- 111— दूसरे लोग जिन शील गुणों को महत्व पूर्ण मानते हैं उससे कहीं अधिक शिष्टाचार और सामाजिक निपुणता को महत्व देता हूँ।
- (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 112— मैं ऐसे लोगों के साथ लम्बी वार्ता पसन्द नहीं करता जो चीजों के बारे में बौद्धिक और गम्भीर विचार करते हैं।
- (a) सत्य, मुझे उनके साथ आनन्द नहीं आता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मुझे उनके साथ आनन्द आता है।
- 113— अगर मैं लोगों के साथ मूर्खतापूर्ण गलती करता हूँ तो जल्द ही उसे भूल जाता हूँ।
- (a) हाँ, सरलता से, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 114— अधिकांश लोगों की अपेक्षा मैं अपने परिवेश और कला के प्रति अधिक संवेदनशील हूँ।
- (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 115— मैं समाजिक समूहों और क्लबों का सदस्य होना पसन्द करता हूँ।
- (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 116— बैंक में असावधानी नहीं होनी चाहिए। अगर वे भूल से किसी बात के लिए मुझसे चार्ज नहीं लेते तो :
- (a) उनकी भूल के बारे में बताना मेरा कार्य नहीं है, (b) अनिश्चित, (c) मैं उनकी भूल बताकर भुगतान कर देना चाहूँगा।
- 117— मैं विविधता से भरा कार्य पसन्द करता हूँ, चाहे भले ही उसमें कुछ जोखिम क्यों न हो।
- (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।

- 118— एक नौकर या उसी तरह का कोई व्यक्ति जब मेरी प्रतिक्षा में रहता है तो :
- (a) असमंजस में पड़ जाता हूँ, (b) बीच में, (c) मुझे अच्छा लगता है।
- 119— मैं बहुत संवेगात्मक स्वप्न देखता हूँ जिससे उठने पर मन अस्तव्यस्त हो जाता है।
- (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) प्रायः कभी नहीं।
- 120— मैं सरकस में शेर पालक का कार्य करना पसन्द करूँगा।
- (a) हाँ, (b) शायद, (c) नहीं।
- (उत्तर पत्र पर आठवें स्तम्भ का अन्त)

अन्त में कुछ प्रश्न यह जानने के लिये हैं कि आप जटिल समस्याओं को कितनी अच्छी तरह हल कर लेते हैं। हर समस्या के लिये जो उत्तर आप को सही लगे उत्तर पत्र पर उससे सम्बन्धित खाने में निशान लगावें।

- 121— फावड़ा खोदने के लिये है जैसे चाकू
- (a) काटने के लिये है, (b) तीक्ष्ण है, (c) नोकिला है।
- 122— निम्नांकित में से कौन शेष दो से भिन्न है ?
- (a) मोमबत्ती, (b) विद्युत प्रकाश, (c) चन्द्रमा।
- 123— नीचे की कौन सी भिन्न शेष दो से अलग तरह की है ?
- (a) 2/7, (b) 2/9, (c) 3/11
- 124— निम्नांकित में से कौन शेष दो से सम्बन्धित नहीं है ?
- (a) खेलना, (b) पूछना, (c) बोलना।
- 125— महान का अर्थ होता है :
- (a) मोटा, (b) लम्बा, (c) बड़ा।
- 126— x0000xx000xxx-अक्षरों की इस पंक्ति में निम्नांकित में से कौन आगे आयेगा ?
- (a) 0xxx, (b) x000, (c) 00xx।
- 127— जो सम्बन्ध आकार और लम्बाई में है वही सम्बन्ध है बेइमान और किसमें है ?
- (a) जेल, (b) चुराना, (c) पाप।
- 128— निम्नांकित में से कौन शब्द दूसरों से सम्बन्धित नहीं है ?
- (a) टेढ़ा-मेढ़ा, (b) चौड़ा, (c) सीधा।

(भाग एक का अन्त)

दूसरे भाग के उत्तर देने के सम्बन्ध में सूचना—

जैसा पहले खंड में किया है वैसे ही दूसरे भाग में भी करना है। इन प्रश्नों के सही या गलत उत्तर नहीं है बल्कि आप को अपने लिये जो सही लगे वही ठीक है। हर प्रश्न के तीन सम्भावित उत्तर हैं। अलग उत्तर पत्र पर (a) (b) और (c) तीन खानों में से एक में निशान लगाना है। यथा सम्भव आप को (b) बीच का उत्तर नहीं चुनना चाहिए। हो सकता है कुछ प्रश्न इस प्रकार न लिखे गये हों जैसा आप उपयुक्त समझते हैं। फिर भी हर प्रश्न के लिए अपने भरसक सर्वोत्तम उत्तर पर निशान लगावें।

- 1— आज कल मेरा मानस (माइन्ड) अच्छी तरह और तेज काम करता है।
(a) हाँ, लगभग हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 2— मैं स्वस्थ और आनन्दित महसूस करता हूँ।
(a) अधिकांश समय, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 3— मुझे कभी भी इतनी ऊब या घृणा नहीं महसूस होती कि मैं पूरी परिस्थिति को तोड़कर चकनाचूर कर डालना चाहूँ।
(a) सत्य, कभी नहीं, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं बहुधा करता हूँ।
- 4— जब मुझे कोई उत्तेजना नहीं मिलती तो मैं बेचैन और उदास हो जाता हूँ।
(a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, शायद ही कभी।
- 5— गहरी नींद की स्थिति में भी मैं शोर से जग जाता हूँ।
(a) हाँ, बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, शायद ही कभी।
- 6— मैं चीजों के उपयोग में अनाड़ी और सन्दिग्ध लगता हूँ।
(a) हमेशा (b) कभी-कभी, (c) विरले अवसर पर ही।
- 7— काम के लिए मेरा उत्साह ऊँचा रहता है।
(a) लगभग हमेशा (b) कभी-कभी, (c) विरले अवसर पर ही।
- 8— मैं अपने को अकेला और दुखी महसूस करता हूँ।
(a) हाँ, हर समय, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, विरले अवसर पर ही।
- 9— मैं अपराध भावना से परेशान नहीं होता।
(a) सत्य, मैं परेशान नहीं होता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं परेशान हो जाता हूँ।
- 10— मैं लोगों से कहता हूँ कि मैं सामान्य विश्वासों को कितना बौदा और मूर्खतापूर्ण मानता हूँ और मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि वे मेरे बारे में क्या सोचते हैं।
(a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 11— मैं अच्छी तरह जानता हूँ कि जीवन में मैं कौन से महत्वपूर्ण कार्य करना चाहता हूँ।
(a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 12— मुझे कभी कभी वास्तव में ऐसा लगता है कि कोई मुझे जहर देने का प्रयास कर रहा है।
(a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 13— मैं दुखी हो जाता हूँ और इससे छुटकारा पाना मुश्किल होता है।
(a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 14— जब लोग मेरा मजाक उड़ाते हैं और मुझे अजीब व्यक्ति कहते हैं तो मैं बुरा नहीं मानता।
(a) सत्य, बुरा नहीं मानता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, बुरा लगता है।
- 15— कभी-कभी मैं अपने को बहुत धीरे-धीरे बोलते पाता हूँ जैसे मन में शब्दों के आने की प्रतीक्षा करनी होती हो।
(a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 16— मैंने छोटा सा कार्य भी सही ढंग से किया है या नहीं, इसे बार-बार जाँचने की आवश्यकता बहुधा महसूस नहीं करता।
(a) सत्य, मुझे जाँचने की आवश्यकता नहीं होती,
(b) बीच में,
(c) असत्य, मुझे जाँचना पड़ता है।
- 17— कोई मामूली और तुच्छ विचार या शब्द कई दिन तक मेरे मन में मड़राया करता है।
(a) बहुधा, (b) एकाधबार, (c) शायद ही कभी।
- 18— मेरे संवेग इतने अविवेक शील हैं कि मैं अपनी देखभाल करने में भी अपने को समर्थ नहीं पाता।
(a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) मुझे कभी ऐसा नहीं लगता।

(उत्तर पत्र पर पहले स्तम्भ का अन्त)

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 19— कभी-कभी हमें महसूस होता है कि मेरी नाड़ियाँ टूटकर चूर-चूर होने वाली हैं।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 20— स्वास्थ्य ठीक न रहने के कारण मैं दैनिक जीवन के काम पूरा करने में असमर्थ हो जाता हूँ।
 (a) अधिकांश बार, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 21— अब भी जीवन में बहुत सी रोचक वस्तुएँ हैं जिनके लिये मैं वास्तव में आशान्वित हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 22— किसी साहसी आदमी को जोखिम मोल लेते देख मुझे कोई खुशी नहीं होती-ऐसा जोखिम जिसे लोग बेवकूफी समझते हैं परन्तु फिर भी उठाते हैं।
 (a) अधिकतर, (b) कभी-कभी, (c) विरले अवसर पर।
- 23— मैं साहसिक कार्य, जैसे स्वचालित यंत्रों की दौड़ या उड़ान पसन्द करूँगा।
 (a) हाँ, बहुत अधिक, (b) अधिक नहीं, (c) नहीं, बिल्कुल नहीं।
- 24— अगर मैं बिमार पड़ता हूँ तो अस्पताल जाने के विचार मात्र से घृणा होती है।
 (a) हाँ, (b) अधिक नहीं, (c) नहीं, उससे मुझे कोई परेशानी नहीं होती।
- 25— शायद ही कभी मुझे उदासी और मनहूसियत का अनुभव होता है।
 (a) सत्य, कभी नहीं होता, (b) कभी-कभी होता है, (c) असत्य, अक्सर मैं उदास और मनहूस रहता हूँ।
- 26— जब मैं सुबह सोकर उठता हूँ तो दिन के कार्य प्रारम्भ करने को भी शक्ति मुझमें नहीं होती।
 (a) सत्य, (b) कभी-कभी, (c) असत्य।
- 27— मुझे ऐसा भय लगता है कि कोई मुझे सचमुच प्यार नहीं करता।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) बिल्कुल नहीं।
- 28— लोगों से बात करने में मैं अपने को अत्यधिक हतोत्साहित और निरर्थक महसूस करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 29— मेरा पेट कमजोर है और मुझे यों ही कब्ज हो जाया करती है।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 30— व्यक्तिगत रूप से मैं ऐसा नहीं महसूस करता कि लोगों ने मेरे साथ अनुचित व्यवहार किया है।
 (a) सत्य, मेरे साथ कभी अन्याय, नहीं हुआ (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं अवश्य महसूस करता हूँ कि लोगों ने मेरे साथ अन्याय किया है।
- 31— मैं अपने को इतना सक्रिय नहीं पाता, जैसा कुछ लोग अपने को कहते हैं, कि लगातार दो या तीन दिन तक बिना सोये ठीक-से रह सकूँ।
 (a) सत्य, मैं ऐसा नहीं महसूस करता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैंने ऐसा महसूस किया है।
- 32— आलोचना मुझे जल्द ही दुखी बना देती है और कार्य छोड़ने को मैं बाध्य हो जाता हूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 33— परेशान करने वाले व्यक्तियों से मैं इतना ऊब जाता हूँ कि मुझे इसकी परवाह ही नहीं रह जाती कि मैं उनका उत्तर दे रहा हूँ या नहीं।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) प्रायः कभी नहीं।
- 34— मेरा इस बात में विश्वास नहीं है कि कुछ चीजें, जैसे काली बिल्ली, सियार, आगे पड़ जाने से अशुभ होता है।
 (a) सत्य, मैं नहीं विश्वास करता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं इन बातों में विश्वास करता हूँ।
- 35— जब मैं किसी देव स्थान या ऐसे स्थान पर रहता हूँ जहाँ मौन या प्रार्थना की आशा की जाती है तो मुझे डर लगता है कि कहीं मैं बोल न दूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 36— मैं हमेशा जीवन का विनोद शील पक्ष देखता हूँ और अपने हर काम से आनन्द प्राप्त करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।

(उत्तर पत्र के दूसरे स्तम्भ का अन्त)

- 37— रह-रह कर मेरा पेट फूल जाता है और भारीपन महसूस होता है।
 (a) हाँ, अवश्य ही, (b) बहुत ही कम, (c) नहीं बिल्कुल नहीं।
- 38— मुझे लगता है कि मैं कमजोर और बीमार हूँ।
 (a) अधिकतर, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 39— जीवन में बहुत ही कम काम ऐसे लगते हैं जिनका करना मेरे लिये महत्वपूर्ण लगता हो।
 (a) सत्य, जीवन में बहुत ही कम महत्वपूर्ण कार्य हैं,
 (b) बीच में,
 (c) असत्य, मुझे जीवन सार्थक लगता है।
- 40— मैं अक्सर जीवन में, जैसा जीवन है, अच्छाई के बजाय धांधली ही पाता हूँ।
 (a) हाँ, चीजें अनुचित हैं,
 (b) अनिश्चित,
 (c) नहीं।
- 41— स्कूल में मैं ऐसे कामों से कतराता था जहाँ मुझे भाषण देना पड़े या नयी योजना को क्रियान्वित करना हो।
 (a) हाँ, सामान्यतया,
 (b) कुछ-कुछ,
 (c) नहीं, बिल्कुल नहीं।
- 42— जब मैं बेचैन होता हूँ तो मेरी पेशियों में मरोड़ और फड़कन होने लगती है।
 (a) हाँ, बहुधा,
 (b) कभी-कभी,
 (c) नहीं।
- 43— मेरे जीवन में शायद ही कोई क्षण ऐसा आता है जब मुझे अकेलापन या खिन्नता का बोध होता है।
 (a) सत्य,
 (b) अनिश्चित,
 (c) असत्य।
- 44— शायद ही कभी मुझे जीवन में अकारण उत्पन्न अवसाद के अँधेरे का अनुभव हुआ हो।
 (a) सत्य, मेरी मनःस्थिति कभी ऐसी नहीं हुयी
 (b) अनिश्चित,
 (c) असत्य, मेरी मनः-स्थिति अक्सर ऐसी हुई है।
- 45— मैं प्रायः कभी इतना तनाव पूर्ण और थक कर चूर हुआ हूँ कि मेरा हाथ काँपने लगे।
 (a) सत्य, मुझे ऐसा नहीं हुआ है,
 (b) अनिश्चित,
 (c) असत्य, मुझे ऐसा हुआ है।
- 46— मुझे लगता है कि जीवन इतना बोदा और मूर्खता पूर्ण है कि अपनी भावनाओं के बारे में लोगों से बात करने का मन ही नहीं करता।
 (a) सत्य,
 (b) बीच में,
 (c) असत्य।
- 47— मैं सरलता से लोगों के साथ हँसी मजाक की छोटी मोटी बातें कर लेता हूँ।
 (a) हमेशा,
 (b) कभी-कभी,
 (c) कभी नहीं।
- 48— जिसे मैं अपनी स्वतन्त्रता मानता हूँ अधिकांश लोग उस पर अंकुश लगाने के लिए नियम बना रहे हैं।
 (a) सत्य,
 (b) अनिश्चित,
 (c) असत्य।
- 49— लोगों की बातों पर ध्यान न देकर अपनी इच्छानुसार कार्य करने में मुझे आनन्द आता है।
 (a) हाँ,
 (b) अनिश्चित,
 (c) असत्य।
- 50— जिन आपात स्थितियों और झगड़ों से लोग परेशान हो जाते हैं, उनका सामना करने में मुझे एक सुख मिलता है।
 (a) बहुधा,
 (b) कभी-कभी,
 (c) कभी नहीं।
- 51— मेरे परिवार के लोग और जिन्हें मैं सोचता हूँ कि वे मुझे पसन्द करते हैं कभी-कभी मेरे प्रति भयकर नीचता और विरोध पूर्ण व्यवहार किये हैं।
 (a) सत्य,
 (b) अनिश्चित,
 (c) असत्य।
- 52— छोटी-छोटी बातें भी अगर ठीक ढंग से घटित नहीं होती तो मैं परेशान होने लगता हूँ।
 (a) बहुधा,
 (b) अनिश्चित,
 (c) कभी नहीं।
- 53— कहीं मेरे परिवार के सदस्यों अक्सरमात मुझसे नुकसान न हो जाए, ऐसे विचारों के बारे में मैं चिन्ता नहीं करता।
 (a) सत्य, मैं चिन्तित नहीं होता,
 (b) अनिश्चित,
 (c) असत्य, ऐसे विचारों से चिन्ता हाती रहती है।
- 54— मुझमें पर्याप्त ऐसी अच्छी विशेषताएँ और योग्यताएँ हैं, जिनके कारण मुझे दूसरों से प्रशंसा और सम्मान मिलता है।
 (a) हाँ,
 (b) बीच में,
 (c) नहीं, मुझमें ऐसी विशेषताएँ मात्र हैं।

(उत्तर पत्र पर तीसरे स्तम्भ का अन्त)

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 55- शायद ही कभी मेरी तबीयत अच्छी न रहती हो।
 (a) सत्य, शायद ही कभी, (b) बीच में, (c) असत्य, तबीयत अक्सर गड़बड़ रहती है।
- 56- मुझे लगता है कि मेरा स्वास्थ्य गिर गया है और जल्दी ही मुझे डाक्टर से मिलना चाहिए।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 57- मैं स्वयं अपने से और आस-पास की वस्तुओं से ऊँचा हुआ महसूस नहीं करता।
 (a) सत्य, मैं ऊँचा नहीं हूँ। (b) बीच में, (c) असत्य, मैं ऊब गया हूँ।
- 58- मुझे चिन्ता रहती है और बहुत सोचा करता हूँ कि कही चीजें बिगड़ न जायें।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 59- जब तक मुझे कोई साहसिक कार्य करने को नहीं मिलता, असन्तोष महसूस होता रहता है।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 60- आपात काल में मैं शान्त चित्त रहता हूँ घबड़ाता नहीं।
 (a) हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 61- शायद ही कभी मैं अपने को ऐसी तनाव की स्थिति में पाता हूँ कि चीजों से समायोजन मेरी शक्ति के बाहर हो जाय।
 (a) सत्य, मैं तनाव स्थिति में नहीं होता (b) अनिश्चित, (c) असत्य, समायोजन करने की शक्ति का अभाव पाता हूँ।
- 62- मुझे अधिक नींद की आवश्यकता रहती है और प्रायः हमेशा सोकर उठने के बाद थका महसूस करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 63- जब यकायक मुझे कुछ करने को कहा जाता है तो मुझे हृदय की धड़कन बढ़ने और चक्कर आने का अनुभव नहीं होता।
 (a) सत्य, ऐसा नहीं महसूस करता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मुझे चक्कर आता है और हृदय धड़कने लगता है।
- 64- मेरा जीवन आनन्द और उद्दीपन से भरा रहता है।
 (a) प्रायः हर समय, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 65- मैं सरलता से दूसरे लोगों के बच्चों के साथ मिश्रवत्, प्रसन्न, और विनोदपूर्ण ढंग से रह लेता हूँ।
 (a) प्रायः हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 66- जब भी मैंने कोई अच्छा कार्य किया है, मुझे लोगों से ईर्ष्या के बजाय प्रोत्साहन और सराहना मिली है।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 67- मेरे कुछ साहसिक कामों के बारे में लोग बात करते हैं लेकिन उनके ध्यान का केन्द्र बन जाने से मुझे कोई परेशानी नहीं होती।
 (a) सत्य, (b) बिरले अवसर पर, (c) असत्य।
- 68- मुझमें गुप्त भौतिक खतरों के अनेक भय नहीं हैं।
 (a) सत्य, (b) आंशिक सत्य, (c) असत्य, मैं भयभीत रहता हूँ।
- 69- अधिकांश लोग दयालु हैं और आप की मदद के लिए तैयार रहते हैं।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 70- मुझमें अकारण चीजों के गिनने, जैसे कदम गिनना, दिवाल के ईंटों को गिनना, की आदत है।
 (a) सत्य, मैं अक्सर ऐसा करता हूँ, (b) कभी-कभी, (c) असत्य, शायद ही कभी मैं ऐसा करता हूँ।
- 71- मेरे दैनिक जीवन में ऐसी चीजें हैं जिनके बारे में मैं महसूस करता हूँ कि उन्हें बिल्कुल ठीक-ठीक ढंग से ही करूँ चाहे इस बेकार धुन में कितना ही अधिक समय लगे और परेशानी हो।
 (a) ऐसा मैं कई चीजों के बारे में महसूस करता हूँ, (b) केवल एक या दो चीज (c) कोई नहीं।
- 72- मैं ऐसा व्यक्ति हूँ जिसे लोग सम्मान देते हैं और जिसकी सलाह को मानते हैं।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित (c) नहीं।

(उत्तर पत्र पर चौथे स्तम्भ का अन्त)

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 73— अक्सर मुझे भारीपन महसूस होता है और हिलने का भी मन नहीं करता।
 (a) सत्य, (b) आशिक सत्य, (c) असत्य।
- 74— मुझे अपने जीवन से ऊब और खिन्नता कभी नहीं महसूस होती।
 (a) सत्य, प्रायः मुझे ऐसा अनुभव नहीं होता, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 75— मैं मृत्यु के बारे में सोचता हूँ जिससे सभी समस्यायें समाप्त हो जाती हैं।
 (a) बहुत, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 76— मैं उस समूह के साथ रहना पसन्द करता हूँ जो ऐसी बातों को जिससे कुछ हानि होने की सम्भावना हो, विनोद पूर्ण ढंग से ग्रहण करके ज्ञान डाल देते हैं।
 (a) हाँ, निश्चित रूप से, (b) शायद, (c) नहीं।
- 77— लोगों के व्यवहार के बारे में मैं जो कुछ भला बुरा सोचता हूँ ठीक-ठीक कभी व्यक्त नहीं कर पाता।
 (a) सत्य, शायद ही कभी ऐसा कर पाता हूँ, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं तो कह देता हूँ।
- 78— मैं परिवार के व्यवसाय और आर्थिक मामलों की जिम्मेदारी लेना पसन्द करता हूँ।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 79— जब मैं निराश और उदास रहता हूँ तो चिढ़ जाया करता हूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 80— कभी-कभी मुझे जो सच करना चाहिए था उसके बारे में सोचते रहने के कारण नींद नहीं आ पाती।
 (a) सत्य, मैं इसके कारण सो नहीं पाता, (b) बीच में, (c) असत्य, चाहे जितना काम बाकी रह गया हो, मैं तो सो लेता हूँ।
- 81— मुझे शायद ही कभी ऐसा महसूस होता है कि मैं अपना कर्तव्य पूरा करने में चूक गया हूँ।
 (a) सत्य, मुझे महसूस नहीं होता, (b) बीच में, (c) असत्य, मैं पश्चाताप से परेशान रहता हूँ।
- 82— जब लोग मुझसे कहते हैं कि मैं अपनी भूमिका ठीक से नहीं निभा रहा हूँ या लापरवाह हूँ तो मैं इसकी परवाह नहीं करता।
 (a) सत्य, मैं परवाह नहीं करता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं तो परवाह करता हूँ।
- 83— मैं नियमों और उपनियमों के बारे में पागल नहीं होता और अपना अधिकार जताने के लिये उन्हें तोड़ता हूँ।
 (a) सत्य, मैं बहुत कम पागल होता हूँ, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं अक्सर पागल हो जाता हूँ।
- 84— जितने लोग अपने को मेरा मित्र बताते हैं उनमें से अधिकांश पर मैं विश्वास कर सकता हूँ।
 (a) हाँ, पूर्ण रूप से (b) शायद, (c) नहीं, बिल्कुल नहीं।
- 85— जब मैं किसी भीड़ में होता हूँ तो इस कारण घबड़ाने लगता हूँ कि कहीं मुझे चोट न लग जाय।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) लगभग बिल्कुल नहीं।
- 86— कभी-कभी दर्पण को चकनाचूर कर देने या एकान्त में चिल्लाने की इच्छा जैसे विचित्र भाव मन में अचानक आ जाते हैं।
 (a) सत्य बहुधा, (b) केवल कभी-कभी ही, (c) नहीं, कभी नहीं।
- 87— कभी ऐसा क्षण नहीं आया है जब मैं जिस शहर में हूँ उसका ही नाम या अपने मित्रों का नाम भूल गया होऊँ।
 (a) सत्य, मैं नहीं भूलता हूँ, (b) बीच में, (c) असत्य, मैं भूल जाता हूँ।
- 88— जब मैं घर से दूर रहता हूँ जहाँ चीजें भिन्न तरह की होती हैं तो मुझे सामान्यतया कोई घबड़ाहट नहीं होती।
 (a) सत्य, सामान्यतया नहीं होती, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मुझे अक्सर होती है।
- 89— ऐसे समय आते हैं जब मैं सोचता हूँ कि मैं किसी काम के लायक नहीं हूँ।
 (a) सत्य, कई बार, (b) बीच में, (c) असत्य, प्रायः कभी नहीं।
- 90— मैं सरलता और जल्दी से निर्णय ले लेता हूँ और फिर उसके परिवर्तन की आवश्यकता ही नहीं होती।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।

(उत्तर पत्र के पाँचवें स्तम्भ का अन्त)

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 91— मुझे प्रायः कभी ऐसा नहीं लगता कि जीवन एक बोझ है।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 92— मेरे साथ चाहे जो घट जाय बाद में मैं औचित्य स्थापन करने का प्रयास नहीं करता।
 (a) सत्य, हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) असत्य।
- 93— मेरे लिये जीवन व्यर्थ और खोखला हो गया है।
 (a) बिल्कुल सत्य, (b) आंशिक सत्य, (c) असत्य।
- 94— मुझे दैनिक जीवन में अपने को व्यक्त करने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता और कुछ जोशीली चीजों की आवश्यकता रहती है।
 (a) सत्य, मुझे निराशा है, (b) अनिश्चित, (c) असत्य मुझे आत्म अभिव्यक्ति का पर्याप्त अवसर मिल जाता है।
- 95— मुझे पूरा भरोसा है कि मैं किसी भी आपातस्थिति का सामना कर सकता हूँ।
 (a) सत्य, हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) असत्य, मैं आपातस्थिति का सामना नहीं कर पाता।
- 96— मुझे तनाव महसूस होता है और कान में साँय-साँय की आवाज सुनाई पड़ती है।
 (a) हाँ, हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, लगभग कभी नहीं।
- 97— मुझे पर्याप्त आराम का समय नहीं मिल पाता और लगता है कि थक कर चूर हूँ।
 (a) अक्सर, (b) कभी-कभी, (c) बहुत ही कम।
- 98— अपने किसी गलत काम के नतीजे पर सोच विचार के कारण शायद ही कभी रात में जगे रहना पड़ता हो।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य, मैं जगा रह जाता हूँ।
- 99— मैं अपने गुण-दोष पर बहुधा विचार करता रहता हूँ और मुझे ऐसा लगता है कि हर गलत काम के लिये मैं ही दोषी हूँ।
 (a) सत्य, अधिकतर, (b) सत्य, कभी-कभी, (c) असत्य।
- 100— मुझे लोगों से दूर-एकान्त में सबसे अधिक आनन्द मिलता है।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 101— सामान्य व्यक्ति वास्तविक मित्र होने के बजाय अपना मतलब पूरा करने के लिए मित्र बनाता है।
 (a) हाँ, सामान्यतया, (b) शायद, कभी-कभी, (c) नहीं, बिल्कुल नहीं।
- 102— अधिकांश छोटे शहरों में टहलते समय मारे जाने का कोई खतरा नहीं होता।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 103— जब लोग मुझसे तीव्र रूप से असहमत होते हैं तो मैं अपने को ललकारा हुआ और जोश में भरा महसूस करता हूँ और इसका आनन्द लेता हूँ।
 (a) बहुत कुछ ऐसा ही, (b) बहुत ही थोड़ा, (c) बिल्कुल नहीं।
- 104— मैं जो नहीं करना चाहता उसके लिए लोग मुझे अधिक नाथ्य भी नहीं करते।
 (a) सत्य, वे नहीं करते, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, वे अक्सर बाध्य करते हैं।
- 105— मुझे ऐसा लगता है कि मेरी सलाह को महत्व न देने के लिये लोग एक दल बना लेते हैं।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 106— लोग कभी ऐसा नहीं कहते कि मैं अत्यधिक कायदे का पाबन्द, सुव्यवस्थित और स्वच्छ हूँ।
 (a) सत्य, वे ऐसा नहीं कहते, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, लोग मुझे ऐसा समझते हैं।
- 107— बहुत ही कम मित्र ऐसे हैं जिनमें मैं विश्वास करता हूँ और जिन पर निर्भर रहता हूँ या वे मुझपे विश्वास करते हैं या मुझपर निर्भर रहते हैं।
 (a) सत्य, शायद ही कोई, (b) कुछ, (c) असत्य, मैं पूरा विश्वास करता हूँ।
- 108— मैं कभी कभार सोचता हूँ कि मैं एक निन्दित और बर्बाद व्यक्ति हूँ।
 (a) सत्य, (b) शायद, (c) असत्य।
- (उत्तर पत्र में छठवें स्तम्भ का अन्त)

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 109— मुझे अक्सर अपना भोजन घोंटने में परेशानी नहीं होती।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य, कभी-कभी मैं मुश्किल से खा पाता हूँ।
- 110— मैं प्रायः ऐसा कभी नहीं चाहता कि जैसा भी जीवन है उससे छुटकारा मिल जाता।
 (a) सत्य, मैं ऐसा कभी नहीं चाहता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैं ऐसा चाहता हूँ।
- 111— मुझे कोई काम देर तक करने में आनन्द नहीं आता।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 112— दूसरे लोग परेशानियों और खतरों से मेरी अपेक्षा कम घबड़ाते मालूम पड़ते हैं।
 (a) सत्य, दूसरे कम घबड़ाते हैं, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, दूसरे लोग ज्यादा घबड़ाते हैं।
- 113— जब मैं सुनता हूँ कि किसी ने मेरे बारे में बुरी बात कही है तो मैं उससे आमने-सामने मिल लेता पसन्द करता हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 114— मैं बहुधा भयानक घटनाओं के बारे में स्वप्न देखता हूँ।
 (a) हाँ, बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं।
- 115— मुझे गहरी नींद आती है और उठने पर ताजगी और शक्ति का अनुभव होता है।
 (a) सत्य, बहुधा, (b) केवल कभी-कभी, (c) आजकल कभी नहीं।
- 116— मुझे लगता है कि मुझसे कोई भयानक गलती हो गयी है लेकिन यह नहीं जानता कि क्या गलती हुई है।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 117— जीवन में जो मैंने बुरे काम किये हैं जब उनके बारे में सोचता हूँ तो मुझे बहुत घबड़ाहट हो जाती है।
 (a) सत्य, (b) कभी-कभी, (c) मैं बिल्कुल नहीं घबड़ाता।
- 118— नये लोगों से मिलने का प्रयास करने और मिलने में मुझे आनन्द आता है।
 (a) हाँ, (b) बीच में, (c) नहीं।
- 119— जब मेरे परिचय के लोगों को लोगों से प्रशंसा मिलती है तो इससे मेरे मन में हीनता का भाव आ जाता है।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 120— अधिकांश वकीलों पर यह विश्वास किया जा सकता है कि वे अधिक फीस लेकर आप को ठगेंगे नहीं।
 (a) सत्य, (b) शायद, (c) असत्य।
- 121— मैं ऐसा नहीं सोचता कि मैं पीड़ा और असुविधा को उतनी अच्छी तरह सह सकता हूँ जितनी अच्छी तरह दूसरे लोग सह लेते हैं।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 122— मुझे ऐसा लगता है कि मुझे जानने वालों में से अधिकांश लोग मुझे सचमुच पसन्द करते हैं।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 123— अंधेरे स्थानों में मैं अक्सर सोचता हूँ कि कोई मुझे घूर रहा है लेकिन जब सावधानी से देखता हूँ तो वह गायब हो जाता है।
 (a) सत्य, बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) असत्य, मैं कभी ऐसा नहीं सोचता।
- 124— अश्लील शब्द और परेशानी उत्पन्न करने वाले विचार मेरे मन में दौड़ा करते हैं और चाहने पर भी उनसे छुटकारा नहीं मिल पाता।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) प्रायः कभी नहीं।
- 125— जब मैं उत्तेजित होता हूँ तो विवेक खो बैठता हूँ और मूर्खतापूर्ण कार्य कर देता हूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 126— मैं ऐसा मानता हूँ कि मुझमें अपने कारबार का प्रबन्ध कर लेने की उतनी योग्यता है जितनी मेरी जानकारी के दूसरे लोगों में है।
 (a) हाँ, (b) शायद, (c) नहीं।

(उत्तर पत्र पर सातवें स्तम्भ का अन्त)

अगले पृष्ठ पर जाइये।

- 127- मैं ऐसा नहीं महसूस करता कि दूसरों की अपेक्षा मुझमें कोई खराबी है या मेरा स्वास्थ्य अधिक बुरा है।
 (a) सत्य, मैं ऐसा नहीं महसूस करता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 128- मैं समझता हूँ जीवन में पहुँचना था पहुँच चुका और अब आगे बढ़ने की जरा भी इच्छा नहीं है।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) कभी नहीं।
- 129- जब मैं सुबह सोकर उठता हूँ तो ऐसा लगता है कि दिन की समस्याओं का सामना करने को समर्थ हूँ।
 (a) प्रायः हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 130- मैं बहुधा अपने को ऊब हुआ और अरुचिकर स्थिति में पाता हूँ, इसलिए नयी चीजों को पाने का प्रयास करना पसन्द करता हूँ।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 131- चूहा और सर्प देखकर मुझे कपकपी नहीं पैदा होती।
 (a) सत्य, उनसे डर नहीं-लगता, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, उनसे भय लगता है।
- 132- लगता है मुझे आत्म विश्वास है और मैं तनाव रहित हूँ।
 (a) प्रायः हर समय, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 133- मुझे इसलिये परेशानी रहती है कि मैं समस्याओं को हल करने के लिए अधिक प्रयास नहीं करता।
 (a) मुझे बहुधा परेशानी रहती है, (b) कभी-कभी, (c) मैं इसके बारे में कभी चिन्ता नहीं करता।
- 134- मुझे ऐसे भयानक स्वप्न आते हैं जिसमें मेरा साथ सब लोग छोड़ दिये रहते हैं और मैं अकेला रहता हूँ।
 (a) बहुधा, (b) कभी-कभी, (c) प्रायः कभी नहीं।
- 135- उदर सम्बन्धी परेशानी हमको बहुधा नहीं होती।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मुझे अवश्य होती है।
- 136- मैं सरलता से विपरीत लिंगी व्यक्ति के साथ गपशप और मजाक कर लेता हूँ।
 (a) सत्य, (b) बीच में, (c) असत्य।
- 137- आपसे बातचीत करते समय बहुत से लोग जीवन के व्यक्तिगत पहलुओं में घुसने का भरसक प्रयास करते हैं।
 (a) सामान्यतया, (b) कभी-कभी, (c) शायद ही कभी।
- 138- जीवन में एक सुरक्षित नियम है कि किसी का विश्वास न करो।
 (a) हाँ, हमेशा, (b) कभी-कभी, (c) नहीं, शायद ही कभी।
- 139- जिन लोगों में अपना पालन पोषण कर लेने की पर्याप्त शक्ति न हो, दूसरों द्वारा उनका मुफ्त पालन पोषण होना चाहिए।
 (a) हाँ, सत्य, (b) अनिश्चित, (c) नहीं, असत्य।
- 140- मैं समझता हूँ मुझे उतना सद्भाव और सहमति मिलती है जितना पाने की किसी व्यक्ति को आशा रहती है।
 (a) हाँ, (b) अनिश्चित, (c) नहीं।
- 141- ऐसा मैंने कभी नहीं महसूस किया है कि कोई सम्मोहन या किसी बुरे प्रभाव द्वारा कुछ मुझसे कराने का प्रयास किया हो।
 (a) सत्य, मैंने ऐसा कभी नहीं महसूस किया है, (b) अनिश्चित, (c) असत्य, मैंने ऐसा महसूस किया है।
- 142- मैंने कभी भी गड़बड़ी करने या हिंसात्मक कार्य करने की इच्छा अपने भीतर नहीं पाया है।
 (a) सत्य, मैंने नहीं पाया है, (b) कभी-कभी इच्छा होती है, (c) असत्य, मुझे अक्सर इच्छा होती है।
- 143- यहाँ वहाँ थोड़ी परेशानियों के होते हुए भी मैं अपने को एक आनंदित और संतुष्ट व्यक्ति मानता हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।
- 144- कभी कभी मुझे संदेह होता है कि क्या अपने जीवन में मैं किसी के बहुत उपयोग लायक हो सका हूँ।
 (a) सत्य, (b) अनिश्चित, (c) असत्य।

16 यहाँ रुकिये। अच्छी तरह देख लीजिए कि आपने प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दे दिया है।